संकलित परीक्षा 11 2013- 14

विषयः हिन्दी

कक्षा 10 अंकः 90

उत्तर दिग्दर्शिका

प्रश्न 1. 1 क 2 घ 3 ख 4 क 5 ख 1×5=5

प्रश्न 2. 1 ख 2 घ 3 ग 4 ख 5 ग 1×5=5

प्रश्न 3. 1 घ 2 ख 3 ग 4 घ 5 ख 1×5=5

प्रश्न 4. 1 क 2 ग 3 घ 4 क 5 घ 1×5=5

प्रश्न 5. क)अरे—विस्मयादि बोधक अव्यय ,आश्चर्य सूचक 1×5=5

ख)अपने -निजवाचक सर्वनाम,पुल्लिंग,एकवचन ,संबंधकारक,देश से संबंध

ग)जो—संबंध वाचक सर्वनाम , अन्यपुरुष, पुल्लिंग, कर्ताकारक

घ)ज़रूर-रीतिवाचक क्रियाविशेषण, निश्चयबोधक, जाऊँगा-क्रिया का विशेषण

ङ)सो रहे थे- संयुक्त क्रिया,अकर्मक,भूतकाल , पुल्लिंग,बहुवचन

प्रश्न 6. क) पिताजी ने मुझे पढ़ाया और सेना में भर्ती कराया। 1×5=5

ख) गोपियों ने कृष्ण से कहा कि वह उन्हें भी साथ ले चले।

ग)परिश्रम करने पर सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

घ) जो समय पर काम करते हैं -विशेषण आश्रित उपवाक्य

ङ) मुझे विश्वास है

प्रश्न 7.क) राम द्वारा जन्मदिन पर उपहार प्राप्त किया गया। 1×5=5

ख) बच्चे सवेरे उठकर विद्यालय जाते हैं।

ग) मुझसे अब खेला नहीं जाता।

घ) **1** कबूतरों द्वारा पंख फड़फड़ाया जा रहा है। (कर्मवाच्य)

2 यह काम मैं नहीं कर सकता। (भाववाच्य)

प्रश्न **8.** क) रूपक/ मानवीकरण ख)उपमा ग)अनुप्रास **1**×5=5

घ)उत्प्रेक्षा ङ)यमक

प्रश्न **9. 1** ग **2** घ **3** ग **4** ख **5** ग **1**×5=5

अथवा

1 क **2** ग **3** क **4** ख **5** घ

प्रश्न **10** महानगरों में अपना जीवन स्वयं के अनुसार जीने का दबाव-जिसके कारण पडोस कल्चर समाप्त-हर व्यक्ति स्वयं तक सीमित होकर जीना चाहता है-पडोसी सामाजिकता लुप्त जिसके कारण लोग असुरक्षित और असहाय होते जा रहे हैं। समाज में अपराध,अवांछित घटनाएँ आदि का बढ़ना।

सबके प्रति प्रेम,स्नेह व मदद का भाव रखना,पडोसियों से मेल जोल व व्यवहार रखना,पडोस का महत्व समझना।

प्रश्न**11.** **2**×3=6

1 लेखक ने संस्कृति को ही सभ्यता का महत्वपूर्ण तत्व माना है।उनके अनुसार मानव संस्कृति अविभाज्य है और जो इसके नाम पर धार्मिक व जातिगत बँटवारे करते हैं,वे पूरी तरह से स्वार्थी समाज की देन है। संस्कृति और सभ्यता दोनों ही काल्याणकारी हैं,और जिससे समाज का कल्याण न हो,वह न तो संस्कृति हो सकती है,न ही सभ्यता।

2 समाज की उन्नति के लिए पुरुषों के साथ स्त्रियों की भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक , स्त्री शिक्षा का विरोध करनेवाले स्त्रियों की सामाजिक समानता और समाज के विकास में बाधा डालते हैं जो समाज के प्रति एक गंभीर अपराध है।

3 लुंगी अगर फटी है तो बदली जा सकती है,सिली जा सकती है । अगर सुर बिगड गया तो सब कुछ चला गया ।सुर एक बार बिगड़ गया तो उसे बदला नहीं जा सकता।

प्रश्न **12** क) अपनी सुंदरता की प्रशंसा सुनकर फूला न समाना -जिसके कारण बंधन में ही रहना पडेगा। **2**

ख) नव विवाहिताएँ प्रशंसात्मक शब्दों के जाल में तथा वस्त्र और आभूषण के चकाचौंध में बुरी तरह फँस जाती है।इस हद तक कि वे अपना अस्तित्व तक खो बैठती है। **1**

ग) समाज की उस स्थिति की ओर संकेत जिसमें पारिवार की महत्वाकांक्षाओं पर खरी न उतरने पर नव विवाहिताओं को आग में जलने के लिए विवश कर दिया जाता है या परिवार के लोग ही कभी कभी इतने उच्छृंखल हो जाते हैं कि उसे स्वयं ही आग में झोंक देते हैं। **1**

घ)स्वाभाविक जीवन जीते हुए नारी सुलभ कोमलता बनाए रखना,कभी दुर्बल मत होना , कभी अत्याचार न सहना,दृढ़ता का परिचय देना। **1**

अथवा

क) धनुष को तोड़नेवाला कोई तुम्हारा दास ही होगा। **1**

ख) सेवा का काम करनेवाला सेवक,शत्रुता का काम करनेवाला लड़ाई मोल लेता है।शिवधनुष तोड़नेवाला सहस्रबाहु के समान मेरा शत्रु। **1**

ग) सेवा का काम करनेवाला सेवक **1**

घ) लक्ष्मण द्वारा संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध शिव धनुष को सामान्य धनुष के समान चित्रित किए जाने पर **1**

ङ) उपमा

प्रश्न **13.** **2**×5=10

1 हर सुख में छिपे दुख की ओर संकेत।चन्द्रिका सुखद स्थिति का प्रतीक,काली रात दुख का प्रतीक।।क्षणिक सुख के साधनों,धन एवं ऐश्वर्य के पीछे दौड़नेवाले मनुष्य को याद रखना है कि हर सुख के साथ दुख आता है ।

2 वीर पुरुष शत्रु को सम्मुख पाकर अपनी वीरता का बखान नहीं करता,बल्कि लड़कर अपनी वीरता का प्रदर्शन करता है।

3 प्रत्येक क्षेत्र में सहयोग देनेवाले लोगों की भूमिका का महत्व प्रकट करता है।जीवन के हर क्षेत्र में संगतकार जैसे व्यक्तियों के योगदान से ही सफलता प्राप्त होती है।लेकिन उनको इसका श्रेय कभी नहीं मिलता।संगतकारों के योगदान के महत्व को स्वीकारा जाए ,उनको उचित स्थान व सम्मान भी

मिले।

4 परशुराम ने अपने को विश्वविदित क्षत्रिय-कुल द्रोही,बाल ब्रह्मचारी एवं अतिक्रोधी कहा।सहस्रबाहु के बाहों को काट डाला।अनेक बार क्षत्रिय राजाओं का मान मर्दन कर पृथ्वी ब्राह्मणों को दान में दे दी।

5 उन व्यक्तियों की ओर संकेत जिनकी दीवार की नींव की तरह अपनी कोई पहचान नहीं होती।दूसरों की सफलता के लिए पूरा सहयोग देते हैं मगर इसका श्रेय कभी उनको नहीं मिलता।

प्रश्न 14ः देश की सीमा पर कठिन सर्दी , तापमान माइनस में ,पेट्रोल को छोड़ सब कुछ जम जाता है।रेगिस्ताान में शरीर को तपा देनेवाली गर्मी सहनी पड़ती है। **4**

हमारा दायित्व है कि उनका सम्मान करें,देश की प्रतिष्ठा और गौरव को अक्षुण्ण बनाए रखने वाले महारथी के रूप में उनका आदर करें।उनके परिवार के प्रति आदर का भाव ,उनके हर कार्यो में मदद दें, परिवार के साथ आत्मीय संबंध रखें।

अथवा

दुलारी टुन्नू की काव्य प्रतिभा औीर मधुर स्वर पर मुग्ध थी। टुन्नू भी दुलारी पर आसक्त था ,पर वह शारीरिक न होकर आत्मिक था।उन दोनों के बीच का संबंध का कारण कला और कलाकार मन ही था।दुलारी के मन में टुन्नू के प्रति करूणा थी।दुलारी का तिरस्कार टुन्नू को देशप्रेम की ओर मोड़ देता है।वह खद्दर का कुर्ता और गांधी टोपी पहनना शुरू करता है।देश के दीवानों की टोली में सम्मिलित होकर अपने प्राण निछावर कर देता है़।।

प्रश्न 15ः किन्हीं तीन **2×3=6**

क)गंतोक एक पर्वतीय स्थल जिसे वहाँ के लोगों ने अपनी मेहनत से सुरम्य बना दिया है और वहाँ सुबह,शाम ,रात सब कुछ सुंदर प्रतीत होता है।

ख) एक दिन लेखक ने हिरोशिमा की सड़क पर घूमते हुए एक जले हुए पत्थर पर एक लंबी उजली छाया देखी। विस्फोट के समय कोई वहाँ खड़ रहा होगा और विस्फोट से बिखरे हुए रेडियो धर्मी पदार्थ की किरणें उसमें रुद्द हो गई होगी औऱ आगे बढकर पत्थर को झुलसा दिया और आदमी को भाप बनाकर उड़ा दिया होगा।समूची ट्रैजडी जैसे पत्थर पर लिखी गई हो। यह देखकर लेखक को थप्पड सा लगा। उनको लगा कि उनके भीतर सहसा एक जलता हुआ सूर्य उग आया है और डूब गया है।

ग)दुलारी कर्कश स्वभाव की तो थी ,पर उसके मन में टुन्नू के प्रति कोमल भाव था। टुन्नू के प्रति वह जो उपेक्षा दिखाती थी,वह कृत्रिम थी।उसके मन के कोने में टुन्नू का आसन स्थापित हो गया था। टुन्नू के प्रति उसके मन में जो आत्मीय भाव था,वह टुन्नू की मृत्यु पर छटपटा उठती है। उसका मन विचलित हो जाता है और वह टुन्नू द्वारा दी गई खादी का कपडा पहन लेती है।

घ) लेखक के अनुसार अनुभव घटित घटना का होता है,अनुभूति संवेदना और कल्पना के सहारे उस सत्य को आत्मसत कर लेना है जो वास्तव में कृतिकार के साथ घटित नहीं हुआ है।जो आँखों के सामने घटित नहीं हुआ,वह जब आत्मा के सामने ज्वलंत प्रकाश के रूप मेंआ जाता है तब वह अनुभूति–प्रत्यक्ष हो जाता है। लेखक का मानना है कि जब तक राचनाकार का हृदय संवेदना से व्यथित नहीं होता है तब तक प्रत्यक्ष अनुभव उसे लिखने के लिए विवश नहीं कर सकता।यह लिखने की विवशता अंदर की अनुभूति से होती है और भावना स्वयं शब्दों में प्रस्फुटित होने लगती है ।यही कारण है कि लिखने में अंदर की अनुभूति विशेष मदद करती है।

प्रश्न**16**.पत्र लेखन	**5**
प्रारंभ एवं समापन की औपचाकिताएँ	**2**
विषय–प्रस्तुति	**2**
भाषा की शुद्धता	**1**
प्रश्न **17**.निबंध लेखन	**5**
भूमिका/प्रस्तावना	**1**
विषय प्रतिपादन	**2**
भाषा की शुद्धता	**1**
उपसंहार	**1**

संकलित परीक्षा 1 विषय–हिन्दी ए

कक्षा 10 अंकः90 ब्लू प्रिन्ट

		ज्ञान			अर्थग्रहण			अभिव्यक्ति			योग
क्र.सं.	प्रश्न का प्रकार/इकाई	दी	ल उ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	ल उ	अल उ	
1	अपठित गद्यांश						5(5)				5(5)
2	अपठित गद्यांश						5(5)				5(5)
3	अपठित पद्यांश			1(1)			4(4)				5(5)
4	अपठित पद्यांश						5(5)				5(5)
5	व्यावहारिकव्याकरण			5(5)							5(5)
6	व्यावहारिकव्याकरण			5(5)							5(5)
7	व्यावहारिकव्याकरण			5(5)							5(5)
8	व्यावहारिकव्याकरण			5(5)							5(5)
9	पठित गद्यांश			1(1)			4(4)				5(5)

10	गद्य प्रश्न							**4 (1)**			**4 (1)**
11	गद्य प्रश्न					**6 (3)**					**6 (3)**
12	पठित पद्यांश						**5 (5)**				**5 (5)**
13	पद्य प्रश्न					**10 (5**					**10 (5)**
14	पूरक पठन							**4 (1**			**4 (1)**
15	पूरक पठन					**6 (3)**					**6 (3)**
16	पत्र							**5 (1**			**5 (1)**
17	निबंध							**5 (1**			**5 (1)**
											90